CIVIC ACTION TEAMS

Nepal Coronavirus CivActs Campaign

अंक #२७

५।२।२०७७

भ्रामक समाचार, हल्ला आ अफवाहसभसँ जेना जनजिवन अस्त व्यस्त बनेने छलै, अखन कोरोना भाईरसके महामारीके अवस्था सेहो तेहने छैक । हमसभ् मिलक एकर निराकरणमे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह क सकैत छी । एहिके लेल अपनासभके विश्वसनिय आ श्रोत खुलल सहि सूचना निर्णायक तहतक प्रवाह क सकैत छी ।

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

मठिहानी नगरपालिका महोत्तरीसँ बाँसके घेरा लगाक सिमामे आवाजाही रोकैत

तस्बिर: अजित तिवारी/द काठमाण्डौ पोष्ट

कोभिड-१९ सँ सृजित परिस्थितिके मध्यनजर रखैत सरकारके आ.व. २०७७/७८ के नीति तथा कार्यक्रममे समेटलगेल स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रमुख विषय वस्तुसभ:

स्रोत: https://cutt.ly/nyEZiPM

- हरेक स्थानीय तहमे ५ सँ १५ शैयातक के आधारभूत अस्पताल स्थापना आ स्तरोन्नति करल जायत ।

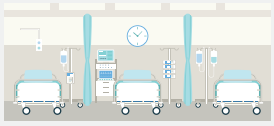

- प्रदेशस्तरमे रहल साविकके जिल्ला अस्पतालसभके २५ सँ ५० शैयाके अस्पताल आ अञ्चल अस्पतालके २ सय शैयाके जेनरल अस्पताल स्तरोन्नती करल जायत ।

- पोखरा, कर्णाली स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान तथा कोशी, नारायणी, भरतपुर, भेरी आ डडेलधुरा अस्पतालसँ उपलब्ध विशिष्टीकृत स्वास्थ्य सेवाके विस्तार आ स्तरोन्नति कल ई केन्द्रीय अस्पतालके ५ सय शैयाके विशेषज्ञ अस्पतालके रुपमे विकास करल जायत ।

- सरुवा रोग रोकथाम, नियन्त्रण आ उपचार एवं स्वास्थ्य विपद् व्यवस्थापनके तयारी तथा प्रतिकार्य कर प्रयोगशाला परीक्षण सेवासहितके ३ सय शैयाके केन्द्रीय आ न्युनतम ५० शैयाके प्रदेशस्तरीय अत्याधुनिक सुविधासम्पन्न सरुवा रोग अस्पताल स्थापना करल जायत ।

- अन्तरराष्ट्रिय विमानस्थल आ अन्तरराष्ट्रिय सीमाके प्रमुख नाकासभमे आधुनिक हेल्थ डेस्क तथा क्वारेन्टिन गृह स्थापना करल जायत ।

गरिब तथा विपन्न वर्गके केन्द्रीय अस्पतालसभ सँ प्रारम्भिक चरणके आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा नि:शुल्क उपलब्ध करायब कहने अछि, लेकिन वास्तविक लक्षित समुह अखनो सेहो भौगोलिक हिसावसँ ई अस्पतालके पहुँचसँ दुरे रहल देखलजाईत अछि ।

हल्ला र तथ्य

निजि अस्पताल सेहो आर.डी.टि. परिक्षण करत कहादन, कि ई नि:शुल्क हेतै ?

आर.डी.टि. सँ परिक्षण कर इच्छुक उपत्यका भितरके निजि तथा सामुदायिक अस्पताल स्वास्थ्य सेवा विभागसँ आ उपत्यका बाहरके स्वास्थ्य संस्थाके प्रदेश स्वास्थ्य निर्देशनालयसँ अनुमति लेब परत् । आर.डी.टि. परिक्षण कर चाहवला स्वास्थ्य संस्थाके राष्ट्रिय जनस्वास्थ्य प्रयोगशालासँ सुचिकृत करल आर.डी.टि. मात्रे प्रयोग कल सकैत अछि । आर.डी.टि.परिक्षणके दाम खरिद मुल्यके २० प्रतिशत नहि बढ्ाक लेब सकैत अछि ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1GFAD3URLS85tZVAj4H4KPCbqvZn1M2rd/view

कोरोनाके उपचारमे प्रत्यक्ष संलग्न स्वास्थ्यकर्मीके समाजमे अघोषित बहिस्कार करल सेहो सुनाईत अछि आ साथसाथे ओकरासभके कारणसँ आरो रोगाके ईलाज करवला रोगीमे सेहो कोरोना संक्रमण होबके जोखिम छै कहैछै ।

उपचारमे प्रत्यक्षरुपमे संलग्न स्वास्थ्यकर्मी तथा आरो कर्मचारीसभ कोभिड - १९ के बिमार बाहेकके आरो सेवाग्राही, घरपरिवार आ समाजमे प्रत्यक्ष सम्पर्कमे आबसँ पहिले १४ दिनतक अनिवार्य क्वारेन्टिनमे रह परत । ओईके उचित व्यवस्था सम्बन्धित अस्पतालके मिलाब परत । कोभिड - १९ के बिमारके उपचारमे प्रत्यक्ष संलग्न चिकित्सक, नर्स लगाएत स्वास्थ्यकर्मीसभ तथा आरो कर्मचारीसभ ओहि अवधीमे आरो रोगाके बिमारके उपचारमे संलग्न होईला नहि होईछै ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1GavLiOpTqgDYTxsr_vY8jFLLtKrj_gzZ/view

सरकारद्वारा कोरोना रोकथाम, नियन्त्रण तथा उपचारके लेल छुट्याओलगेल रकम कमे छै । ई अवस्था लम्बेलै तँ सरकार कि करत ।

महामारी अनपेक्षित रुपमे लम्बिया गेल अवस्थामे सरकारके ओकरा रोकके लेल आओर प्रभावकारी कदम चलैत कार्यक्रमसभके पुन:प्राथमिकीकरण आ समायोजन समेत कल श्रोत साधन परिचालन करके योजना बनेने अछि ।

स्रोत: https://cutt.ly/nyEZiPM

लकडाउन अवधी लम्बैत गेल त खाद्यान्नके अभाव होईत जेतै कहैत अछि । साँच्चेके अभाव भेलै कि, कृतिम अभाव कराओल गेल छै ?

लकडाउनके अवधी लम्बियाईत गेलाके बादो खाद्यान्न आपूर्तिमे कोनो कमि नै भेल आ प्रर्याप्त भण्डारण रहल उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय जनौलक अछि । लकडाउन शुरु भेल बेरसँ आयातमे सेहो कोनो गिरावट नहि आयल छै । यदि कोई खाद्यान्नके कृतिम अभाव सृजना करने या काला बजारी करने पता चललापर नजिकके प्रशासन कार्यालयमे खबर करलापर ओहनके कानून बमोजिम कारवाही हेतै ।

स्रोत: https://cutt.ly/xyRROuU

सूचनाका स्रोतहरु

नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय कोरोना भाईरस रोग (COVID – 19) सम्बन्धी स्वास्थ्य क्षेत्रको प्रतिकाय

जोन्स् होपकिन्स् कोरोना भाइरस स्रोत केन्द्र

स्वास्थ्य र जनसंख्या मन्त्रालय

कोरोना कोष सञ्चालन निर्देशिका, २०७६

कोभिड(१९ को अवस्थाअ

कृषि तथा पशुपंछी विकास मन्त्रालय

नेपाल श्रम शक्ति सर्वेक्षण

सुरक्षित हुन के गर्ने

प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय

accountabilitylab NEPAL

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमे रहल नेपाली कामदार

साउदी अरव	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,५२,६६७ नेपाली	८२,६३० नेपाली	२८,२७६ नेपाली	४,३७,००९ नेपाली	२३,१९,०८८ नेपाली	८,२५० नेपाली	४,६९,१३१ नेपाली	५३,६२९ नेपाली
५४,७५२ संक्रमित	१४,८५० संक्रमित	६,९३० संक्रमित	३२,६०४ संक्रमित	२३,३५८ संक्रमित	५,१८६ संक्रमित	६,८९४ संक्रमित	११,०६५ संक्रमित
६७४ नेपाली संक्रमित	७८ नेपाली संक्रमित	१२५ नेपाली संक्रमित	१,४०० नेपाली संक्रमित	८५ नेपाली संक्रमित		४५ नेपाली संक्रमित	

स्रोत: https://who.sprinklr.com/

ShramikSanjal

साउदी र यु.ए.ई.सँ नयाँ अपडेट:

साउदी अरव:

साउदी अरबके गृह मन्त्रालयद्वारा ईदके समयमे होबवला जमघटके कम कल कोरोना संक्रमण नियन्त्रण करके उद्देश्यसँ मई २३ सँ २७ तक अधिराज्य भैर २४ घण्टा कर्फ्यू लागू करके निर्णय करने अछि । कर्फ्यू उल्लंघन करवलाके बइका जरिवाना समेत तोकलगेल अछि । साउदीमे रहिरहल सम्पूर्ण नेपाली नागरिकसभके ओई समयमे अपना जरुरतके आवश्यक वस्तु तथा खाद्यान्न पहिलेहे किनक कर्फ्यू समयके पूर्ण पालना करलेल कन्सुलेट जनरल साउदी अरव, जेद्दा अनुरोध सहित सुचना निकालने अछि ।

यु.ए.ई.:

७० टा पार्क खलिरहल अछि आ किछ समुन्नी किनाराके पार्कसभ सेहो खुलवला अछि । लेकिन, अवस्था सामान्य नहिभेला तक पार्कमे जेनाई उपयुक्त नहि हेतै ।

"घर जान पाउँ" अभियान अन्तरगत विदेशमे रहवला कामदारसभ नेपाल फिर्ता आबके व्यवस्था मिलादैला कहैत अपन क्षेत्रके संसदसभके विभिन्न सञ्चार माध्यमसँ समन्वय करहल अछि । सांसद गगन थापा वैशाख २९ गते संसदमे एक जरुरी सार्वजनिक महत्वके प्रस्ताव दर्ता करेने छैथ। ईहे अभियान अन्तरगत Law and Policy Forum for Social Justice (LAPSOJ) कामदारके लेल नि:शुल्क कानूनी परामर्श सेवा शुरु करलक अछि।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी

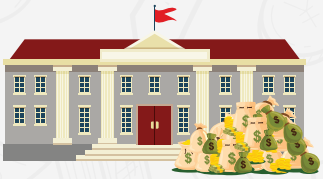

जम्मा | खर्च

तीन बेर कएक नेपाल सरकार
अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याओल गेल
करिब १ अर्व ४८ करोड
कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण,
रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमे जम्मा
करिब २ अर्व २६ करोड

संघिय सरकार

कोरोना भाईरस विरुद्धके गतिविधिमे
नेपाल सरकारद्वारा कएलगेल खर्च
करिब १ अर्व ८ करोड
रक्षा मन्त्रालय माफर्त कोरोना रोकथाम
आ नियन्त्रणके लेल आवश्यक
स्वास्थ्य उपकरण किनबाक लेल
२ अर्ब ३४ करोड निकासा

दाता

ए.डि.बि.
करिब **७ अर्व २० करोड**
विश्व बैंक
करिब **३ अर्व ४८ करोड**
आई.एम.एफ.
करिब **१३ अर्व ९ करोड**
युरोपियन युनियन
करिब **९ अर्व ८० करोड**

प्रदेश	जम्मा रकम	खर्च गरिएको रकम	बाँकी रकम
प्रदेश १	करिब २९ करोड ३३ लाख	करिब १७ करोड ८५ लाख	करिब ११ करोड ४७ लाख
प्रदेश २	६१ करोड	१७ करोड ७० लाख	४३ करोड ३० लाख
बागमती प्रदेश	४० करोड	१२ करोड ३२ लाख	१७ करोड ७५ लाख
गण्डकी प्रदेश	करिब १५ करोड	९ करोड २० लाख	५ करोड ८० लाख
प्रदेश ५	२३ करोड ६० लाख	१३ करोड ६० लाख	१० करोड
कर्णाली प्रदेश	५० करोड	१३ करोड २० लाख	३६ करोड ८० लाख
सुदुरपश्चिम प्रदेश	करिब ४० करोड २७ लाख	२० करोड १९ लाख	२० करोड ८ लाख

नोट: ई विवरण पूर्ण नहि अछि। उपलब्ध माध्यमसँ संकलित कए राखल गेल अछि ।
आओर सही तथ्यांक संकलन कए परिमार्जन करैत जाएब ।

accountabilitylab NEPAL

कोभिड - १९ संक्रमण फैलला संगहि जनानीसभ जोखिममे

विश्वव्यापी रुपमे कोभिड - १९ के संक्रमण फैललासंगहि लैङगिक असमानताके मुद्दा सेहो भयावह रुपमे आगु आयल अछि । विशेष कल दैनिकरुपमे मजदूरी कलक खायवला जनानीसभ रोजगारी गुमौने अछि, जनानी विरुद्धके घरेलु हिंसा बढल अछि, आ प्रत्यक्षरुपमे कोभिड - १९ के बिमारके ईलाजमे लागल जनानीसभ स्वास्थ्यकर्मीसभके जोखिमके सामना करहल अछि । नेपाल सेहो एकर अपवाद रह नहि सकत ।

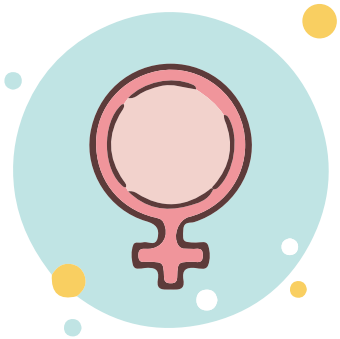

आरो कह परत तँ जनानीमे कोभिड - १९ के संक्रमणके दर सेहो बढैत जारहल अछि । नेपालमे कोभिड - १९ सँ जान गुमाववला पहिल आदमी प्रसौत जनानी छलिह । जबकि संक्रमित जनानी आ पुरुषके अनुपात देखबै त, पुरुषके संख्या बेसी छै । लेकिन, गर्भवती आ प्रसौती जनानीसभ एहिसँ बेसी जोखिममे अछि से देखाबैत अछि । अखनके अवस्थामे जते स्वास्थ्य सम्बन्धि संरचनाके निर्माण कर महत्वपूर्ण छै, तेतवे जनानी आ आरो जोखिम वर्गके आदमीसभके सुरक्षामे ध्यान देब महत्वपूर्ण छै, एहिके लेल सरकारके निचादेलगेल बातपर ध्यान देब जरुरी अछि:

१. अग्रपंक्तिमे रहिक काज करबला स्वास्थ्यकर्मीसंगे समुदायमे परिचा(लत स्वयंसेविकाके प्रर्याप्त मात्रामे सुरक्षाके उपकरणसभ उपलब्ध कराब परत ।

२. गर्भावस्था आ प्रसौती अवस्थामे उपयुक्त स्वास्थ्य सेवा आ सुरक्षाकके व्यवस्था करब ।

३. लैङगिक मुद्दासंगे घरेलु हिंसासँ पीडितसभके प्रत्यक्ष मनोपरामर्शमे काज करबला संघ संस्थासंगे सहकार्य बढाब परत । घरेलु हिंसा रोक जन चेतनाके लेल रेडीयो, टेलिभिजन आ सामाजिक सञ्जालके प्रयोग करब ।

४. लक्षित वर्गके पोषण युक्त खाना देबवला कार्यक्रमके प्रभावकारी रुपमे कार्या(वयन करब ।

५. महिनावारी आ प्रजनन् स्वास्थ्यके ध्यानमे राखैत स्थानीय स्तरमे स्वास्थ्य प्रसाधनके सामानसंगे गर्भ निरोधके सामानसभ सहजे उपलब्ध होबके व्यवस्था मिलेनाई ।

६. ई संकटके बेरमे वैदेशिक रोजगारीमे रहल जनानी कामदारसभ बेसी जोखिममे छथि, हुनकासभके सुरक्षाके लेल विशेष योजना बनाक कार्या(वयन् करब ।

७. हरेक सरकारी तहसँ अर्थपूर्ण राहत वितरणके लेल सहज होई कहक लेल लैङगिकतामे आधारित तथ्यांक राखब ।

सही सूचना

कि हमरासभके स्वास्थ्य प्रणाली अखनके कोरोना भाईरसके संकटमे धरासायी भरहल अछि ?

क. स्वास्थ्य संस्थामे प्रसुति भेलके संख्या

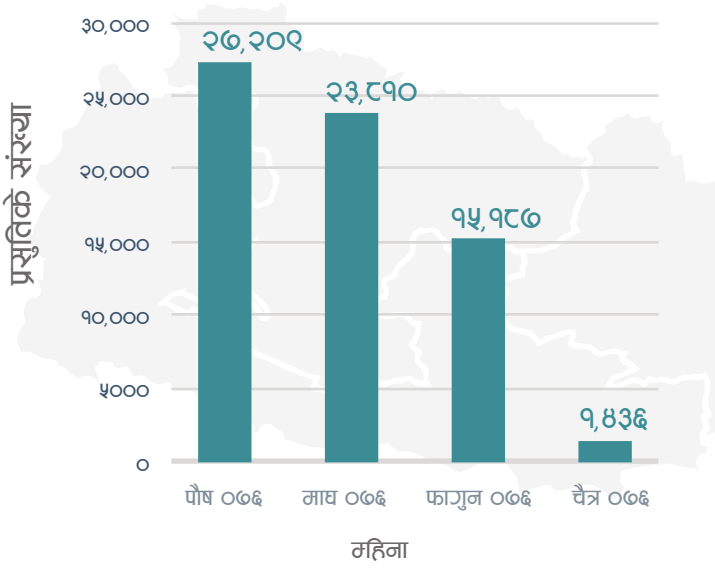

ख. प्रसुति होबकाल मृत्यु भेल जनानीके संख्या

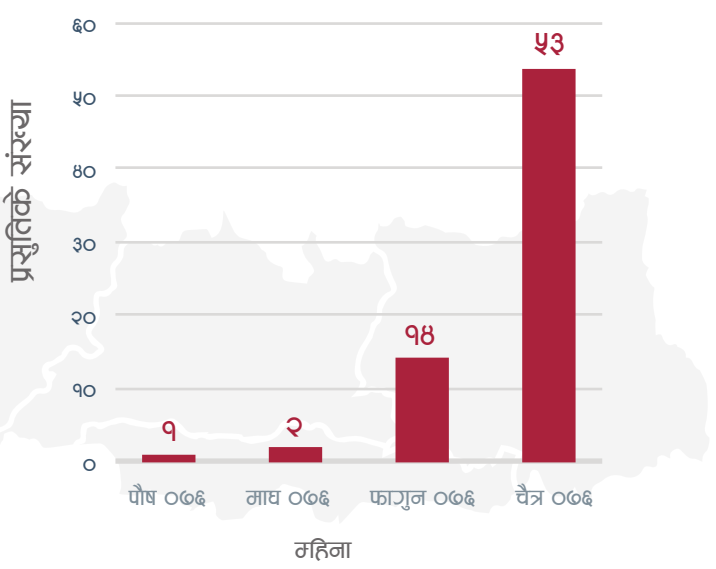

स्रोत: https://www.nayapatrikadaily.com

ग्राफ (A) २०७७ चैत्र महिनामे अस्पतालमे प्रसुति भेल जनानीके संख्या एकदमे कम भेल देखाबैत अछि । ग्राफ (B) मातृ मृत्यु दर अघिला महिनासँ बसीसँ बढल देखाबैत अछि । मातृ मृत्यु दरके जेकोनो भी देशमे सेहो स्वास्थ्य क्षेत्रके मुख्य सूचकके रुपमे लेलजाईत छै । लकडाउनके कारणसँ प्राय जनानीसभ स्वास्थ्य संस्था सँ बाहर प्रसुति करावलेल विवश भरहल अछि, जाहीके कारणसँ नाटकिय रुपमे मातृ मृत्यु दर बढिरहल अछि । कि लकडाउनके समयमे गार्भवती महिलासभ स्वास्थ्य सेवाके लेल स्वास्थ्य संस्थामे जायसँ डरारहल अछि, या सरकार एहि विषयमे प्रर्याप्त जिज्ञासा रखने छै ?

एहि अंकमे समेटल गेल हल्ला, सवाल एवम् सूचनासभ, बहुतो संस्था, व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, आ सिभिक एक्सन टिम एहि अप्रिल महिना भितर २००० सं बेसी व्यक्तिसभसंगेके संवादसं संकलन कएलगेल छैक । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दएक हल्ला, सवाल एवम् जिज्ञासासभक चयन कएलगेल अछि । एहि अंकमे समेटल गेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल तिथितक सत्य अछि।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities